गणपति बप्पा की भक्ति और 703 करोड़ की सुरक्षा-चादर

जहां आस्था असीम है, वहां हिफाजत भी बेमिसाल

मुंबई के गणेशोत्सव में सोने-चांदी की चमक, बीमा की छांव और लाखों दिलों की धड़कन

दृष्टि शर्मा

भोपाल, 10 सितंबर. सावन खत्म होते ही मुंबई की गलियां जैसे करवट बदल लेती हैं. गणेशोत्सव महज़ भक्ति और परंपरा की कहानी नहीं रहा. इसके पीछे खड़ी है करोड़ों की दौलत, सोने-चांदी से लदी मूर्तियां और सुरक्षा तंत्र जो हर साल और मजबूत होता जा रहा है.

इस बदलाव की सबसे चमकदार मिसाल है किंग्स सर्कल का गौड़ सारस्वत ब्राह्मण (जीएसबी) सेवा मंडल. जो मुंबई के 'सबसे अमीर गणपति' की चमक, बीमा की छांव और लाखों दिलों की धड़कन है. 1955 से बप्पा को पूज रहा जीएसबी सेवा मंडल इस बार सुर्खियों में है. इसकी वजह है 703.27 करोड़ रुपए का ऑल-रिस्क बीमा कवर, जो शायद ही किसी सार्वजनिक उत्सव को मिला हो. मंडल के पास 66 किलो से ज्यादा सोना और 335 किलो से ज्यादा चांदी है. इतनी अपार संपदा और उमड़ते जनसैलाब को देखते हुए मंडल ने 30 करोड़ रुपए का सार्वजनिक दायित्व बीमा भी अलग से लिया है. ताकि अनहोनी जोखिम पर भी सुरक्षा की छांव बनी रहे.

मुंबईचा राजा

मुंबई के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित गणेशोत्सव मंडलों में से एक है. इसकी स्थापना 1928 में हुई थी, और आज इसकी विरासत को 91 साल हो चुके हैं. यह मंडल लालबागचा राजा से बस कुछ ही गलियों की दूरी पर स्थित है, और अपने भव्य और प्रभावशाली थीम्स के लिए जाना जाता है, जो हर साल भारतीय संस्कृति, विरासत या प्रसिद्ध स्थलों को दर्शाते हैं. इसके पंडाल ज्यादातर देश भर के प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों से प्रेरित होते हैं, ताकि जो भक्त लंबी तीर्थयात्रा नहीं कर सकते, उन्हें उन पवित्र स्थलों की एक झलक मिल सके.

लालबागचा राजा : करोड़ों का बीमा, 20 किलो का सोने का मुकुट

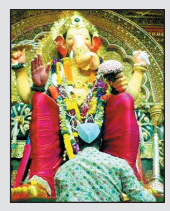

मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा की मूर्ति की कोई तय या सार्वजनिक रूप से घोषित कीमत नहीं है। यह आस्था का विषय है, इसलिए इसे बिक्री योग्य वस्तु की तरह कीमत देना उचित नहीं है। हालांकि, मूर्ति और मंडप से जुड़े जोखिमों के लिए मंडल हर साल करोड़ों रुपये का बीमा कराता है। इसमें 12 करोड़ कर्मचारियों, ट्रस्टियों और सेवा कर्मियों के व्यक्तिगत दुर्घटना कवर, 10 करोड़ थर्ड पार्टी दायित्व, 2.5 करोड़ मंडप की संपत्ति और बिजली फिटिंग तथा 8.26 करोड़ सोने के आभूषणों और अन्य कीमती सामान के लिए थे.

- **15 करोड़ –** 20 किलो सोने का मुकुट
- **8.26 करोड़ –** सोने के आभूषण व कीमती सामान का बीमा
- **10 करोड़ –** थर्ड पार्टी दायित्व कवर

'मुफ्त रेवड़ी' पर आया ट्रंप का दिल

मिड टर्म चुनाव से पहले किया ऐलान, वोट दो और 5000 डॉलर लो

वॉशिंगटन, 10 सितंबर (एजेंसी). दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में चुनावी मुकाबला अब उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां आर्थिक सिद्धांतों से ज्यादा लोकलुभावन वादों का शोर सुनाई दे रहा है.

रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में वापसी पर हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5,000 डॉलर (करीब 4 लाख रुपये से अधिक) की सीधी नकद सहायता देने का दांव चला है. ट्रंप का यह अप्रत्याशित ऐलान ठीक वैसा ही राजनीतिक पैंतरा नजर आता है, जैसा भारत के आम चुनावों या विधानसभा मुकाबलों में देखा जाता रहा है. भारत में अक्सर वोटरों को रिझाने के लिए पार्टियां खाते में सीधे कैश ट्रांसफर, मुफ्त बिजली या पानी जैसी योजनाओं की झड़ी लगा देती हैं. भारत में जिस 'रेवड़ी संस्कृति' को लेकर सियासी बहस छिड़ी है और सुप्रीम कोर्ट तक में कानूनी समीक्षा चल रही है, अब उसी फॉर्मूले को अमेरिकी महाबली भी आजमाने लगे हैं.

ट्रंप का यह कदम दिखाता है कि महंगाई और जीवन-यापन के बढ़ते खर्च से जूझ रहे मध्यमवर्गीय अमेरिकी मतदाताओं को साधने के लिए पारंपरिक नीतियां नाकाफी साबित हो रही हैं. भारतीय राजनीति की तर्ज पर अब पश्चिमी लोकतंत्र भी मतदाताओं की जेब में सीधा पैसा डालकर चुनावी नैया पार लगाने की राह पकड़ चुका है. भारत में जहां इस

तरह के नकद हस्तांतरण को लेकर वित्तीय अनुशासन और सरकारी खजाने पर पड़ने वाले बोझ पर तीखी बहस जारी है, वहीं दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भी अब ठीक वही सवाल खड़े हो रहे हैं. ट्रंप के इस भारी-भरकम वादे से अमेरिकी राजकोषीय घाटे पर क्या असर पड़ेगा, अर्थशास्त्री इसका हिसाब लगाने में जुट गए हैं. साफ है कि चुनाव जीतने की होड़ में मुफ्त सौगातों और डायरेक्ट कैश का यह देसी फॉर्मूला अब वैश्विक रूप ले चुका है, जहां ट्रंप खुद को मतदाताओं के सबसे बड़े खेवनहार के रूप में पेश कर रहे हैं.

डोनाल्ड ट्रंप ने आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले अपने देशवासियों से बड़ा चुनावी वादा किया है. उन्होंने कहा है कि अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर अपना नियंत्रण बरकरार रखती है, तो हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5,000 डॉलर का भुगतान किया जाएगा. ट्रंप ने इसे 'ट्रंप डिविडेंड' नाम दिया है. ट्रंप ने डलास में रिपब्लिकन पार्टी के मध्यावधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह घोषणा की. रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में अपना नियंत्रण बनाए रखे.

खर्च की रखी शर्त

ट्रंप ने भुगतान की एक शर्त भी बताई. उन्होंने कहा, इस रकम को अमेरिका के भीतर ही खर्च करना होगा. यानी लाभार्थी इस पैसे को देश के बाहर खर्च नहीं कर सकेंगे. हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि योजना को किस तरह लागू किया जाएगा और इसके लिए पैसा कहां से आएगा. अपने भाषण में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस भुगतान की तुलना किसी सफल कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों को दिए जाने वाले लाभांश से की.

राम मंदिर ट्रस्ट में डिप्टी सीईओ की आहट

व्यवस्थाओं के मद्देनजर बढ़ेगा एक और बड़ा पद

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या, 10 सितम्बर. राम मंदिर निर्माण और उससे जुड़े कार्यों के बढ़ते दायरे के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में भविष्य में डिप्टी मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी डिप्टी सीईओ का पद भी बनाया जा सकता है. ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने इसके संकेत दिए हैं.

ट्रस्ट से जुड़े कामकाज और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र के स्तर पर बढ़ते काम के दबाव को देखते हुए इस व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है. जरूरत के मुताबिक ट्रस्ट आने वाले समय में डिप्टी सीईओ की नियुक्ति का फैसला ले सकता है. राम मंदिर ट्रस्ट में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद पहले भी अहम रहा है. पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा ट्रस्ट में सीईओ का दायित्व संभाल चुके हैं. मंदिर निर्माण के साथ ही ट्रस्ट की व्यवस्थाओं, प्रशासनिक कार्यों और अलग-अलग परियोजनाओं का दायरा बढ़ने के कारण सीईओ के स्तर पर जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं. ऐसे में ट्रस्ट में सीईओ के साथ डिप्टी सीईओ की व्यवस्था किए जाने की संभावना सामने आई है. मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन की प्रक्रिया के दौरान तीन नाम सामने आए थे. इनमें से एक नाम पर सहमति बनने के बाद सीईओ की नियुक्ति हो चुकी है. अब बाकी दो नामों में से किसी एक शख्स को भविष्य में डिप्टी सीईओ की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना भी जताई जा रही है. हालांकि यह फैसला ट्रस्ट की जरूरत और प्रशासनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा. राम मंदिर ट्रस्ट में हाल ही में तीन नए न्यासियों को शामिल किया गया है. इनमें महेश भागचंदका, मदन मोहन पांडेय और डॉ. निर्मला यादव के नाम शामिल हैं. नए ट्रस्टियों के शामिल होने के साथ ट्रस्ट में जिम्मेदारियों और कामकाज के स्तर पर भी आगे बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

अरविंद केजरीवाल फिर चुने गए आप के राष्ट्रीय संयोजक

23 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का हुआ गठन

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितंबर. आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक हुई. जिसने अरविंद केजरीवाल को सर्वसम्मति से फिर से राष्ट्रीय संयोजक चुना. जिनकी अध्यक्षता में बुधवार को पार्टी 15वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक हुई.

बैठक में 330 सदस्यों ने हिस्सा लिया.इस दौरान 23 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन हुआ. वहीं पंकज गुप्ता को राष्ट्रीय सचिव चुना गया है और एनडी गुप्ता कोषाध्यक्ष बने रहेंगे. बैठक के दौरान अरविंद केजरीवाल समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भविष्य की रणनीति पर सभी सदस्यों का मार्गदर्शन किया.

अरविंद केजरीवाल को सर्व सम्मति से एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक चुना गया है. एनडी गुप्ता पूर्व की तरह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बने रहेंगे. साथ ही पंकज गुप्ता पंकज गुप्ता भी राष्ट्रीय सचिव के पद पर बने रहेंगे.

बिहार में फिर पुल हादसा, निर्माणाधीन ढांचा गिरा; 7 घायल

पटना. बिहार में एक और पुल हादसा हो गया है. वैशाली जिले के लालगंज में जलालपुर गांव में निर्माणाधीन पुल का स्ट्रक्चर गुरुवार को अचानक गिर गया. हादसे में 7 लोग घायल हो गए. सभी घायल मजदूर बताए जा रहे हैं. यह हादसा भारतमाला परियोजना के तहत सोनपुर से केसरिया के बीच बन रहे सिक्स लेन बुद्ध सर्किट हाईवे पर हुआ. घायल मजदूरों को रेफरल अस्पताल ले जाया गया. वहां से गंभीर हालत में दो मरीजों को हाजीपुर रेफर किया गया है. हादसे की जांच के आदेश दिए गए हैं.

अमेरिका में भारतीय दंपती की दरियादिली

आंध्र से अमेरिका पहुंच एआई के लिए दिए 191 करोड़ दिए दान

नवभारत न्यूज नेटवर्क

अमरावती, 10 सितम्बर. भारतीय मूल के एक दंपती ने टेक्सास में अपनी पुरानी यूनिवर्सिटी अल्मा मेटर को 20 मिलियन डॉलर का दान दिया है.

इससे संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड एनालिटिक्स की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा और 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार करने में अप्रवासियों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा. एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुराधा और विकास सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास को 20 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय रुपयों में 191 करोड़ से ज्यादा का दान दिया है. इसके सम्मान में, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास अनुराधा और विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स की स्थापना करेगा. डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित एक एकेडमिक और रिसर्च हब के तौर पर काम करेगा. यह एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, एडवांस्ड एनालिटिक्स, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, इंफॉर्मेशन साइंस, और लर्निंग टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में विशेषज्ञता को एक साथ लाएगा.

भारतीय ड्राइवरों पर अमेरिका में फिर नस्लीय टिप्पणी

डीएचएस के विज्ञापन पर मचा बवाल

नवभारत न्यूज नेटवर्क

वाशिंगटन, 10 सितम्बर (एजेंसी). होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) के एक विज्ञापन में 'मिस्टर सिंह' से खुद देश छोड़कर जाने के लिए कहा गया, जिससे विवाद खड़ा हो गया.

अधिकार समूहों ने इसे नस्लवादी और अमेरिका-विरोधी बताया. डीएचएस ने बिना लाइसेंस वाले व्यावसायिक ड्राइवरों के खिलाफ अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए एक्स ऐप पर एआई-जनित तस्वीरों का इस्तेमाल किया, जिसमें एक भूरी दाढ़ी वाले व्यक्ति को दिखाया गया था. इसकी टैगलाइन थी 'हमारी सड़कों से हट जाओ, मिस्टर सिंह, आपको गाड़ी चलाना नहीं आता.

एक्स पर इससे संबंधित पोस्ट में एक छोटा वीडियो क्लिप दिखाया गया है जिसमें ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइजी का मुख्य खलनायक मेगाट्रॉन, एलियंस की रिहाई के लिए बातचीत कर रहा है. मेगाट्रॉन को ट्रक ड्राइवरों हरजिंदर सिंह, राजिंदर कुमार, बेकजान बेशेकीव, अखरोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई की कोशिश करते हुए दिखाया गया है.

25 साल बाद भी जेल से बाहर नहीं आएगा सलेम

मुंबई. गैंगस्टर अबू सलेम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर भारत की जेल से रिहाई की मांग की थी. उसका कहना था कि वह भारत में 25 साल जेल में रह चुका है और पुर्तगाल से उसके प्रत्यर्पण के समय भारत ने जो शर्तें मानी थीं, उनके मुताबिक उसकी जेल की अवधि 25 साल से ज्यादा नहीं हो सकती. इसी आधार पर सलेम ने तत्काल रिहाई की मांग की थी.जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने गुरुवार को सलेम की याचिका पर फैसला सुनाया. पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के अप्रैल में दिए आदेश को बरकरार रखा.

एक नजर में

मुख्य चुनाव आयुक्त पहुंचे बापू के आश्रम

अहमदाबाद. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुजरात के दो दिवसीय दौरे के तहत बृहस्पतिवार को अहमदाबाद पहुंचे. उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान हस्तियों की जन्मभूमि और कर्मभूमि में आकर उन्हें बहुत गर्व महसूस हो रहा है. कुमार ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए अहमदाबाद के साबरमती आश्रम का दौरा किया. इस दौरान उन्हें साबरमती आश्रम के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजना के बारे में जानकारी दी गई. गुजरात की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालने वाले एक कार्यक्रम के तहत वह गांधीनगर के ऐतिहासिक अडालज की वाव भी पहुंचे. इससे पहले, गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संदीप सागले, अहमदाबाद के जिलाधिकारी भव्य वर्मा और अन्य अधिकारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुमार का स्वागत किया. कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, यहां आकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है.

मस्जिद ढही तो ईंटों ने खोला राज

सहारनपुर. कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को हटाए जाने के बाद मलबे को अलग-अलग स्थानों पर डलवाया गया है. मलबे में कई ईंटें ऐसी हैं, जिन पर नंबर अंकित मिले हैं, जो रहस्य बना हुआ है. कई लोग इन्हें ईंटों के निर्माण वर्ष से जोड़कर देख रहे हैं. अब सुरक्षा की दृष्टि से मलबे के आसपास पुलिस तैनात की गई है. कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद को प्रशासन ने बेदखली के आदेश के तहत ध्वस्त करा दिया था. इसके बाद देर शाम तक मलबे को कलक्ट्रेट परिसर स्थल से हटा दिया गया. हटाए गए मलबे में कई ईंटों पर 1909, 1911 और 43 समेत अन्य नंबर लिखे हैं. ईंटों पर लिखे यह नंबर ईंट निर्माण वर्ष के हैं. कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद आजादी से पहले की है. इसके बाद मलबे से मिली ईंटों पर लिखे नंबर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं.

हस्तियों के ट्वीट

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने हाल ही में सोशल मीडिया पर ट्वीट कर लिखा की सरकार का काम लोगों की सुविधा, सुरक्षा और न्याय पक्का करना है, अपनी नाकामियों को छिपाना नहीं। पंजाब के सिस्टम के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. भगवंत मान जी, इन सवालों का जवाब देना आपकी जिम्मेदारी है. अगर किसी की जान किसी की लापरवाही, ड्यूटी में लापरवाही या किसी और काम की वजह से गई है, तो इस मामले की निष्पक्ष और हाई-लेवल जांच होनी चाहिए. अगर जांच में किसी की क्रिमिनल लापरवाही सामने आती है, तो उस व्यक्ति के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.

जाने-माने उद्योगपति हर्ष गोएंका ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर लिखा की एक पुरानी कहावत है: 'नई झाड़ू साफ़ करती है, लेकिन पुरानी झाड़ू कोनों को पहचानती है. मतलब: जवानी एनर्जी, नए आइडिया और जोश लाती है. अनुभव जजमेंट, कॉन्टेक्स्ट और यह समझने की समझ लाता है कि दूसरे क्या चूक जाते हैं. दोनों की अपनी-अपनी वैल्यू है.

शिमला परिषद चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका

26 साल बाद भाजपा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर कब्जा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

शिमला, 10 सितम्बर. हिमाचल प्रदेश के शिमला जिला परिषद में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद का चुनाव बचत भवन में आयोजित किया गया.

इस दौरान भाजपा की ओर से अध्यक्ष पद के लिए चंदलोग वार्ड नंबर 14 से भूपेंद्र और उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड नंबर 9 से भारत सिंह कलान्टा का नाम दिया गया था और दोनों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है. पहली बार भाजपा ने जिला परिषद पर कब्जा जमाया है और इससे पहले हमेशा कांग्रेस का राज रहा था. कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष पद के लिए सीमा रंटाडी वार्ड नंबर 5 से सुरेंद्र रेटका और उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड नंबर 11 से मीनाक्षी का नाम दिया गया था, जिन्हें हार का सामना करना पड़ा.

बहुमत से दोनों दल दूर, निर्दलीयों ने दिया सहारा

शिमला जिला परिषद में 25 सदस्य हैं. इसमें भाजपा और कांग्रेस दोनों बहुमत से दूर थे और दो निर्दलीय सदस्यों के पास सत्ता की चाबी थी. भरत सिंह क्लांटा निर्दलीय चुनाव जीते थे और उन्होंने बाद में भाजपा को समर्थन दिया. फिर चुनाव में भाजपा ने उन्हें वाइस चेयरमैन पद की जिम्मेदारी सौंपी. ऐसे में निर्दलीय की बदौलत भाजपा ने सत्ता हासिल की है. अध्यक्ष भाजपा समर्थित भूपेंद्र सिंह सिसोदिया बने हैं और उन्हें 13 वोट पड़े, जबकि उपाध्यक्ष भरत सिंह को 14 मत मिले और उन्होंने जीत हासिल की.

आज का इतिहास

- **1297 :** विलियम वालेस के नेतृत्व में स्कॉटिश सेना ने स्टर्लिंग ब्रिज पर अंग्रेजों को हराया.
- **1777 :** पेंसिल्वेनिया में ब्रांडीवाइन की लड़ाई में जनरल जॉर्ज वाशिंगटन और उनकी सेना को ब्रिटिश सेना ने हराया.
- **1803 :** द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध के दौरान दिल्ली का युद्ध लड़ा गया था, जिसमें ब्रिटिश सेना ने मराठों को हराया था.
- **1895 :** महान स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म.
- **1906 :** महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह आन्दोलन आरंभ किया.

ब्रिक्स मेहमानों की सवारी के लिए 500 लग्जरी कारें तैयार

- **मर्सिडीज-बेंज से लेकर टोयोटा वेलफायर, किआ कार्निवल तक**
- **भारत मंडपम में 12-13 सितंबर को होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन**

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितंबर दुनिया के प्रमुख उभरते देशों के नेताओं की मेजबानी के लिए राजधानी दिल्ली तैयार है. 12 और 13 सितंबर को भारत मंडपम में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, राजनयिकों और विशेष मेहमानों के लिए खास सवारी का इंतजाम किया गया है.

मेहमानों की आवाजाही के लिए करीब 500 प्रीमियम और लग्जरी वाहनों का बेड़ा तैयार रखा गया है. इन वाहनों में मर्सिडीज-बेंज जीएलएस 450, टोयोटा वेलफायर, किआ कार्निवल और बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज जैसी गाड़ियां शामिल हैं.

मेहमानों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों का चयन किया गया है. मर्सिडीज जीएलएस 450 और टोयोटा वेलफायर में पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए ज्यादा जगह के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं. पीछे की सीटों से ही कई सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए टैबलेट आधारित व्यवस्था भी दी गई है. वहीं, किआ कार्निवल को बड़े केबिन और पीछे की आरामदायक झुकने वाली सीटों के कारण काफिले में शामिल किया गया है.

ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है. इस बार सम्मेलन की मुख्य विषय-वस्तु लचीलापन, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास के लिए निर्माण पर केंद्रित है. सम्मेलन में वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने, आर्थिक सहयोग और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी. इसके अलावा डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय तकनीक, जलवायु कार्रवाई और हरित वित्त जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रहेंगे.

सम्मेलन के दौरान आधुनिक कारों सहित सुरक्षा भी

विदेशी मेहमानों की आवाजाही के लिए तैयार किया गया वाहनों का यह बड़ा बेड़ा सम्मेलन की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है. दिल्ली में सम्मेलन के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था भी कड़ी रहेगी. विदेशी मेहमानों के कार्यक्रम और आवाजाही के अनुरूप वाहनों की तैनाती की जाएगी. यानी सम्मेलन के दो दिनों में राजधानी की सड़कों पर सिर्फ कूटनीति और बैठकों की हलचल ही नहीं, बल्कि दुनिया की महंगी और अत्याधुनिक कारों का काफिला भी नजर आएगा.

कसावट | **नकली बीज पर कसेगा शिकंजा, नए कानून पर किसानों से मंथन**

जल्दबाजी में नहीं लाएंगे नया विधेयक : शिवराज

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। नकली और घटिया बीजों की समस्या से किसानों को निजात दिलाने के लिए केंद्र सरकार नए बीज कानून की तैयारी में जुट गई है.

प्रस्तावित बीज विधेयक पर गुरुवार को कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक मंथन किया. बैठक में करीब 20 किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए. शिवराज ने कहा कि सरकार किसी तय समय सीमा में विधेयक लाने की

जल्दबाजी नहीं करेगी. किसानों और किसान संगठनों से मिलने वाले सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही आगे कदम उठाया जाएगा. वर्तमान बीज अधिनियम 1966 में बनाया गया था और बीज नियंत्रण आदेश 1983 में लागू हुआ. तब से कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है. उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में करीब 70 प्रतिशत बीज कानून के दायरे से बाहर हैं. नकली या खराब बीज बाजार में पहुंचने के बाद उसकी जिम्मेदारी तय करने और प्रभावी कार्रवाई करने की व्यवस्था भी पर्याप्त मजबूत नहीं है.

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नवंबर-दिसंबर 2025 में प्रस्तावित विधेयक के मसौदे पर किसानों और किसान संगठनों से सुझाव मांगे गए थे. उस दौरान करीब 18 हजार सुझाव मिले थे. अब सरकार ने प्रत्यक्ष रूप से किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा शुरू की है, ताकि खेत और बाजार की वास्तविक समस्याओं को कानून में शामिल किया जा सके. उन्होंने स्पष्ट किया कि नए कानून से किसानों के पारंपरिक अधिकार प्रभावित नहीं होंगे. किसान आपस में आदान-प्रदान और बिक्री कर सकेंगे. ऐसे बीजों का पंजीकरण अनिवार्य नहीं होगा. यदि कोई किसान अपनी किस्म का पंजीकरण कराना चाहता है तो यह सुविधा स्वैच्छिक होगी.